(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इस योजना के अन्तर्गत किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, नहीं। वैसे, पूर्वी और उत्तर पूर्वी भारत सहित देश में जून से सितम्बर के दौरान खरीफ खाद्यान्नों का उत्पादन मानसून की अनियमित वर्षा के कारण अस्थिर रहा।

(ख) और (ग) सरकार की योजना है कि और अधिक क्षेत्र में सिंचाई की जाए ताकि वर्षा की अनिश्चितता के कारण, विशेषकर खरीफ मानसून के दौरान, किसानों को होने वाली हानि को कम किया जा सके। सिंचाई की सुविधाओं का सृजन करने तथा उससे फसल उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से उथले नलकूपों/खुदे कुओं के निर्माण के लिये छोटे और सीमान्त किसानों को सहायता संबंधी केन्द्रीय प्रायोजित योजना 1988-89 से 1991-92 तक की अवधि के दौरान 12 प्रमुख राज्यों में चल रही है। पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी राज्यों के संबंध में गत तीन वर्षों के दौरान निर्मित नलकूपों/खुदे कुओं की संख्या नीचे दी गई है :—

राज्य	1989-90 के दौरान निर्मित उथले नलकूप/ खुदे कुएं	1990-91 के दौरान निर्मित उथले नलकूप/ खुदे कुएं	1991-92 के दौरान निर्मित उथले नलकूप/ खुदे कुएं
असम	1952	2242	1696
बिहार	64580	46427	100474
उड़ीसा	17905	11871	11715
पश्चिम बंगाल	14740	14300	2582 (दिसम्बर, 1991 तक)
हरियाणा	शून्य	शून्य	210
उत्तर प्रदेश	188451	201089	201672
मध्य प्रदेश	24484	19864	19143
महाराष्ट्र	2389	1339	838 (अनन्तिम)
गुजरात	1897	2167	2940

उत्तर प्रदेश में खाद्यान्नों का उत्पादन

2130. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1992-93 के दौरान उत्तर प्रदेश में कुल कितनी मात्रा में खाद्यान्नों का उत्पादन हुआ है;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने उक्त राज्य में खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई व्यापक कार्य-योजना बनाई है और इस संबंध में केन्द्रीय सरकार से उसकी स्वीकृति मांगी है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त कार्य-योजना को कब तक क्रियान्वित कर दिये जाने की संभावना है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) उत्तर प्रदेश से अभी 1992–93 के खाद्यान्न उत्पादन के अन्तिम अनुमान देय नहीं हुए हैं। तथापि वर्तमान आकलन के अनुसार, इस राज्य में 1992-93 के दौरान कुल खाद्यान्नों की उत्पादन 36 मिलियन मीटरी टन होने की आशा है।

(ख) कृषि एवं सहकारिता विभाग को खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि किये जाने के बारे में उत्तर प्रदेश से कोई वृहद् कार्य योजना प्राप्त नहीं हुई है।

(ग) और (घ) प्रश्न नहीं उठते।

काजू का उत्पादन

2131. **श्री राम नरेश यादव** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 1992–93 के दौरान काजू और ऐसे ही अन्य पदार्थों का, क्षेत्रवार, कुल कितना उत्पादन हुआ है; और

(ख) उत्पादन बढ़ाने हेतु काजू उत्पादकों को क्या-क्या प्रोत्साहन दिये जाने की संभावना है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) वर्ष 1992-93 के लिए काजू तथा ऐसी अन्य जिन्सों जैसे बदाम, अखरोट आदि के उत्पादन के अनुमान उपलब्ध नहीं हैं।

(ख) केन्द्रीय क्षेत्रक कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत में एकीकृत काजू विकास के लिए 1992–93 के दौरान काजू उत्पादकों को निम्नलिखित प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं:—

(i) क्लोनल रोपण सामग्री युक्त ताजा रोपण के लिए 5420 रु० प्रति हैक्टेयर निवेश सहायता और चार वर्षों के लिए रखरखाव।

(ii) लागत पर 75% सबसिडी देकर क्लोनल रोपण सामग्री की आपूर्ति।

(iii) व्यापक कृमि नियंत्रण उपाय अपनाने के लिए पौध संरक्षण रसायनों पर 300 रु० प्रति हैक्टेयर की सबसिडी।

Decline in Cotton Prices

2132. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that there has been a steep decline in cotton prices, affecting the very survival of cotton growers in Karnataka forcing them towards distress sale of their produce at far below minimum remunerative prices;

(b) whether Government are also aware that the market intervention operations by Cotton Corporation of India have been sluggish as is evident from quantities of CCI purchases (2,64,694 quintals); and

(c) if so, whether Government propose to issue immediate directives to Cotton Corporation of India to intervene and step up procurement for exports so that Karnataka Cotton growers are assured of a minimum support price for their produce to compare with the cost of high inputs?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) During the cotton year 1992-93 the prices of cotton have shown a declining trend as compared to 1991-92 in all the cotton growing States including Karnataka due to comfortable stock position of cotton and prospects of a record production in 1992-93 season. However, according to the available information cotton prices in Karnataka, at present, are ruling above the Minimum Support Price.

(b) Till the end of February 1993, Cotton Corporation of India has purchased 31,307 bales of cotton from the markets of Karnataka out of its total purchases of 8,49,861 bales in the country.

(c) The Government have directed the Cotton Corporation of India to intensify cotton purchases in various States including Karnataka to help